

**विपद् बंधु** पुं. (तत्.) मुसीबत में साथ देने वाला, विपत्ति काल का मित्र, साथी।

**विपन्न** वि. (तत्.) दुःखी, जिस पर मुसीबत पड़ी हो, संकटग्रस्त, विपत्ति ग्रस्त उदा. 'हम हैं आज विभक्त, विपन्न, दुर्लभ हैं मुट्ठी भर अन्न'-मैथिलीशरण गुप्त।

**विपरिणमन/विपरीणाम** वि. (तत्.) सत् की एक अवस्था से दूसरी अवस्था की प्राप्ति जैन. परिवर्तन, रूपपरिवर्तन, रूपांतर।

**विपरीत** वि. (तत्.) 1. जैसा होना चाहिए उसका उल्टा 2. जो अनुकूल या हित-साधन में सहायक न हो, प्रतिकूल, विरुद्ध 3. नियम के विरुद्ध, खिलाफ, गलत 4. मेल न खाने वाला, असंगत, अनुप्रयुक्त 5. अशुभ पुं. काव्य. एक अर्थालंकार जिसमें कार्य की सिद्धि में स्वयं साधक का बाधक होना दिखाया जाता है।

**विपरीतार्थ** पुं. (तत्.) उल्टा अर्थ वि. उल्टे अर्थ वाला।

**विपरीति** स्त्री. (तत्.) 1. विपरीत होने का भाव, विपरीतता 2. कष्टदायी व्यवहार।

**विपर्ण** पुं. (तत्.) 1. एक साथ या आमने-सामने लगी हुई रसीदों आदि का वह बाहरी भाग जो लिख या भरकर किसी को दिया जाता है 2. जिसमें पत्ते न हों, अपर्णा, पंखहीन 3. अपत्र।

**विपर्णन** पुं. (तत्.) वन. शाखा से पत्तियों को तोड़कर अलग करना।

**विपर्यय** पुं. (तत्.) 1. प्रतिकूलता, विरुद्धता 2. उलट-पुलट 3. दो वस्तुओं में परस्पर क्रम-परिवर्तन या परस्पर स्थान परिवर्तन जैसे-नगरोटा को नरगोटा कहने में वर्ण विपर्यय है।

**विपर्यस्त** वि. (तत्.) 1. जिसका विपर्यय हुआ हो 2. जिसे ठीक या मान्य न समझकर उलट या रद्द कर दिया गया हो 2. बदला हुआ, परिवर्तित, उलटा 4. इधर-उधर बिखरा हुआ, अस्त व्यस्त।

**विपर्याय** पुं. (तत्.) किसी शब्द का ठीक विरोधी या विपरीत अर्थ या भाव सूचित करने वाला शब्द विपरीतार्थक, विलोम।

**विपर्यास** पुं. (तत्.) 1. विपरीतता, प्रतिकूलता, विरोध 2. परिवर्तन 3. उलटा हुआ, क्रम-भंग 4. अदल-बदल 5. व्यक्ति-क्रम, भूल-चूक, गलती, भ्रम जैसा होना चाहिए, उसके विपरीत हो जाना।

**विपल** पुं. (तत्.) काल गणना में एक बहुत छोटा मान, पल का साठवाँ भाग।

**विपश्चित** पुं. (तत्.) 1. बुद्धिमान 2. विद्वान।

**विपश्यना** स्त्री. (तत्.) शांत और पवित्र अंतर्दृष्टि, उदार दृष्टि, प्रशस्त दृष्टि, तत्त्वपरिज्ञान की प्रकृति वाली प्रज्ञा (बौद्ध)।

**विपांडु/विपांडुर** वि. (तत्.) पीला (रंग)।

**विपांसुल** वि. (तत्.) 1. धूल-रहित 2. जिसमें धूल न हो।

**विपाक** पुं. (तत्.) 1. पूर्ण विकास की दशा की प्राप्ति 2. परिपक्व होना, पकना 3. चरमोत्कर्ष 4. परिणाम, फल 5. पचना 6. दुर्दशा, दुर्गति।

**विपाटक** वि. (तत्.) 1. फाड़ने-फोड़ने वाला 2. उखाड़ने वाला।

**विपाटन** पुं. (तत्.) 1. टुकड़े-टुकड़े करना 2. उन्मूलन 3. चीरना, फाड़ना 4. तोड़ना-फोड़ना।

**विपाटल** वि. (तत्.) गहरा लाल (रंग)।

**विपाटित** वि. (तत्.) 1. उखाड़ा हुआ, उन्मूलित 2. फाड़ा हुआ, विदारित।

**विपात** वि. (तत्.) पतन, नाश।

**विपातन** पुं. (तत्.) मिटाना, नाश करना।

**विपाती** वि. (तत्.) विनाशकारी, भीषण अनर्थकारी।

**विपादिका** स्त्री. (तत्.) 1. बिवाई नामक रोग 2. पहेली, प्रहेलिका।

**विपायसीकरण** पुं. (तत्.) रसा. रासायनिक प्रक्रियाओं में निर्मित तेल और पानी के पायसों को उक्त द्रव्यों से अलग करना।

**विपार्श्व** पुं. (तत्.) भिन्न पार्श्व।

**विपाशा** स्त्री. (तत्.) हिमाचल से निकलकर पंजाब में प्रवाहित होने वाली नदी का प्राचीन नाम, वर्तमान में व्यास।